विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
नेट-ब्यूरो

विषयः जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा-साहित्य कोड नं. : 70

पाठ्यक्रम

इकाई 1 : सामान्य जातिविज्ञान

जाति विज्ञान की परिभाषा और स्वरूप, अध्ययन का उद्देश्य, मुख्य शाखाएँ, उपयोगिता, अध्ययन क्षेत्र, अन्य विषयों से सम्बन्ध, आधुनिक प्रवृतियाँ, संस्कृति की अवधारणा एवं परिवर्तन, समाज व्यवस्था, अर्थ व्यवस्था, धार्मिक व्यवस्था, जनजातियों के विकास पर औद्योगिकरण एवं नागरीकरण के प्रभाव।

जाति विज्ञान के सिद्धान्त; झारखंड एवं पार्श्व प्रदेश के आदिवासी एवं सदान समुदायों-का जातिवैज्ञानिक अध्ययन।

इकाई 2 : सामान्य भाषाविज्ञान

भाषाविज्ञान की परिभाषा, भाषाविज्ञान का क्षेत्र तथा उसके प्रकार भाषाविज्ञान के अध्ययन के विभाग, भाषा की उत्पति के सिद्धान्त, भाषा की विशेषताएँ एवं प्रकृति, भाषा की उपयोगिता, भाषा का विकास, परिवर्तन और उसके कारण, भाषा के विभिन्न रूप, भाषाओं का वर्गीकरण, पारिवरिक एवं आकृति मूलक वर्गीकरण, ध्वनि विज्ञान, रूपविज्ञान, अर्थविज्ञान, वाक्य विज्ञान, लिपि विज्ञान, कोश विज्ञान।

भाषा विज्ञान के सिद्धान्त, झारखण्ड एवं पार्श्व प्रदेश की जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं का भाषा वैज्ञानिक-अध्ययन, वर्तमान समस्याएं और सामाधान की दिशाएँ, अध्ययन परंपरा। जनजातीय एवं क्षेत्रीय-भाषाओं का पारस्पारिक सम्बन्ध और प्रभावों का अध्ययन।

इकाई 3 : भारतीय साहित्य

प्राचीन भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय :- वेद, पुराण, उपनिषद, महाकाव्य, महाभारत, जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, बंगला साहित्य, उड़िया साहित्य तथा अन्य साहित्य। आदिकालीन एवं मध्यकालीन भारतीय साहित्य सिद्ध एवं नाथ साहित्य।

मध्यकालीन भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय – भक्ति आन्दोलन (आलवार संत, सगुण भक्ति-निर्गुण भक्ति, राममार्गी, कृष्णमार्गी, सूफी संत) के प्रमुख कवि एवं काव्य का अध्ययन, रीतिकालीन कवि और काव्य का अध्ययन।

आधुनिक भारतीय साहित्य, रहस्यवाद, छायावाद, प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद का परिचय। स्वतंत्रता पूर्व एवं स्वातंत्र्योत्तर गद्य-पद्य का विकास प्रमुख कवि, लेखक एवं उनकी कृत्तियाँ।

इकाई 4 : साहित्य सिद्धान्त

साहित्य की परिभाषा एवं विशेषताएँ, हेतु, प्रयोजन, तत्व रूप का अध्ययन, भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण। साहित्य के विविध रूप, विधाएँ – गीत, काव्य, कविता, खण्ड काव्य, महाकाव्य, कहानी, नाटक, उपन्यास, निबंध, एंकाकी, जीवनी, रिर्पोत्ताज, समीक्षा, आलोचना, शब्दचित्र, समालोचना के स्वरूप और रचना विधान का अध्ययन।

भारतीय काव्य शास्त्र – शब्द शक्ति, रस निरूपण, साधारणीकरण, काव्य गुण, काव्यदोष, अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, वीप्सा, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, भ्रांतिमान, संदेह, उत्प्रेक्षा, अतिश्योक्ति, विरोधाभास, आदि।

छंद - दोहा, चौपाई, सवैया, मालिनी, मंदाक्रांता।

इकाई 5 : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के लोकसाहित्य

लोक साहित्य की अवधारणा, अध्ययन परंपरा, वर्गीकरण, महत्व, विशेषताएँ, लोक साहित्य की विधाएँ – लोकगीत, लोक कथा, लोक गाथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य, प्रकीर्ण साहित्य – लोकोक्तियाँ, मुहावरे, पहेलियाँ, मंत्र एवं उसकी विशेषताएँ, लोक साहित्य एवं शिष्ट साहित्य में अंतर, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति का महत्त्व।

इकाई 6 : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा क्षेत्र की संस्कृति एवं उसके विभिन्न आयाम

संस्कृति की परिभाषा, महत्व, वैशिष्ट्य, पर्व, त्योहार, जतरा, मेला, खान-पान, रहन-सहन, सामाजिक व्यवहार, रीति-रिवाज आदि व्यवस्था, आर्थिक व्यवस्था, सांस्कृतिक व्यवस्था, धार्मिक व्यवस्था।

इकाई 7 : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा-क्षेत्र की कलाएँ-

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा की पारंपरिक संगीत की राग, रागिनियाँ, नृत्य शैलियाँ, वाद्ययंत्र एवं प्रदर्शन कला, आकाशवाणी और दूरदर्शन में कला प्रदर्शन, प्रस्तुति एवं प्रसारण की भूमिका सिद्धान्त और प्रयोग।

चित्रकला (भित्तिचित्र, कोहबर चित्र, काष्ठकला, पाषाण कला, धातु कला, रेशमकला, गृह निर्माण कला, पाककला एवं अन्य कलाएं)।

इकाई 8 : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के पद्य साहित्य

गीत, कविता, खंड काव्य, महाकाव्य, मुक्तककाव्य, गीती नाट्य, आदि के स्वरूप और रचना विधान का अध्ययन। प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक कविताओं का अध्ययन विकास एवं उनके कवियों का परिचय, गीत एवं गीतकारों का परिचय।

इकाई 9 : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के गद्य साहित्य

गद्य साहित्य का विकास – कहानी, नाटक, उपन्यास, निबंध, यात्रा वृतांत, संस्मरण, रेखाचित्त, आलोचना / समालोचना / समीक्षा, जीवनी, रिर्पोताज आदि के स्वरूप और रचना विधान का अध्ययन।

इकाई 10 : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा क्षेत्र के महापुरूष

बिरसा मुण्डा, वीर बुधु भगत, तिलका मांझी, सिदो-कान्हू, चाँद भायरो, शेख-भिखारी, नीलाम्बर, पिताम्बर, तेलंगा-खडिया, एन.ई.होरो, पोटो सरदार, बिनोद विहारी महतो, लाडो जोंको, कार्तिक उराँव, जयपाल सिंह मुण्डा, पंडित रघुनाथ मूर्मू, लाखो बोदरा, डॉ रामदयाल मुण्डा, परमबीर एल्बर्ट एक्का, रामदास टुडू, साधूराम चांद मूर्मू आदि की जीवनी एवं कृतियाँ और योगदान।